Question

Q1. Which of the following pairs of 'Name of Ruler — Empire' is correctly matched?

निम्नलिखित में से कौन-सा 'शासक का नाम — साम्राज्य' युग्म सही रूप से मिला हुआ है?

- I. Mahapadma Nanda — Magadha Empire
- II. Ajatasatru— Maurya Empire

A. Only II / केवल II

B. Neither I nor II / न तो I और न ही II

C. Both I and II / I और II दोनों

D. Only I / केवल I

[RRB NTPC CBT 2]

SOLUTION

Correct Answer is D. Only I / केवल I

Haryanka Dynasty (544–412 BCE)
Founder: Bimbisara
Capital: Rajagriha (later shifted to Pataliputra)
Significance:

- Bimbisara was a contemporary of the Buddha and a patron of Buddhism and Jainism.
- His son, **Ajatashatru**, expanded the Magadha kingdom and fought wars with Kosala and the Lichchhavis.
- Noted for the beginning of Magadha's rise as a major power in North India.

हर्यक राजवंश (लगभग 544-412 ईसा पूर्व)
संस्थापक: बिम्बिसार
राजधानी: राजगृह (बाद में पाटलिपुत्र स्थानांतरित)
महत्व:

- बिम्बिसार बुद्ध के समकालीन और बौद्ध एवं जैन धर्म के संरक्षक थे।
- उनके पुत्र, अजातशत्रु ने मगध साम्राज्य का विस्तार किया और कोसल और लिच्छवियों के साथ युद्ध किए।
- उत्तर भारत में एक प्रमुख शक्ति के रूप में मगध के उदय की शुरुआत के लिए प्रसिद्ध।

SOLUTION

Extra Facts:

Shishunaga Dynasty (412–345 BCE)
Founder: Shishunaga (originally an official under the Haryankas)
Capital: Initially Rajagriha, later shifted to Pataliputra
Significance:

- Ended Haryanka rule.
- Strengthened Magadha further.
- **Kalasoka**, a ruler of this dynasty, convened the **Second Buddhist Council**.

- शिशुनाग राजवंश (लगभग 412-345 ईसा पूर्व)
- संस्थापक: शिशुनाग (मूलतः हर्यंक वंश का एक अधिकारी)
- राजधानी: प्रारंभ में राजगृह, बाद में पाटलिपुत्र स्थानांतरित हो गई

महत्व:

- हर्यंक शासन का अंत।
- मगध को और सुदृढ़ किया।
- इस राजवंश के एक शासक कालाशोक ने द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन किया।

SOLUTION

Important one-liners for upcoming exams

Nanda Dynasty (345–322 BCE)
Founder: Mahapadma Nanda (possibly of non-Kshatriya origin)
Capital: Pataliputra
Significance:

- Known for great wealth and a large army.
- Centralized administration.
- Overthrown by Chandragupta Maurya with the help of Chanakya, leading to the rise of the Maurya Empire.

नंद वंश (लगभग 345-322 ईसा पूर्व)
संस्थापक: महापद्म नंद (संभवतः गैर-क्षत्रिय मूल के)
राजधानी: पाटलिपुत्र
महत्व:

- अत्यधिक धन और विशाल सेना के लिए जाना जाता था।
- केंद्रीकृत प्रशासन।
- चाणक्य की सहायता से चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा इसे उखाड़ फेंका गया, जिसके परिणामस्वरूप मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ।

Question

Q2. The famous physician Jeevaka was appointed in the court of:

प्रसिद्ध वैद्य जीवक को किसके दरबार में नियुक्त किया गया था?

[SSC CPO-SI – 11/12/2019, Shift-II]

A. Krishnadeva Raya / कृष्णदेव राय

B. Bimbisara / बिंबिसार

C. Ashoka / अशोक

D. Samudragupta / समुद्रगुप्त

Tuluva Dynasty

SOLUTION

Correct Answer is Bimbisara

- The famous physician Jeevaka was appointed in the court of Bimbisara (543-491 BCE), the ruler of the Magadha Empire./ प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक को मगध साम्राज्य के शासक बिम्बिसार (लगभग 543-491 ईसा पूर्व) के दरबार में नियुक्त किया गया था।
- Bimbisara was the founder of the Haryanka dynasty and is regarded as the real builder of the Magadha Empire. / बिम्बिसार हर्यक वंश के संस्थापक थे और उन्हें मगध साम्राज्य का वास्तविक निर्माता माना जाता है।
- Bimbisara was assassinated by his son Ajatashatru.
- बिम्बिसार की हत्या उनके पुत्र अजातशत्रु ने की थी।

- Jeevaka was a contemporary of Buddha.
- जीवक बुद्ध के समकालीन थे।

- Shishunaga Dynasty (412–345 BCE): Founded by Shishunaga, who ended the Haryanka dynasty; capital shifted from Rajgriha to Pataliputra; known for annexing Avanti; last ruler Kalasoka held the Second Buddhist Council at Vaishali, after which the dynasty was overthrown by Mahapadma Nanda.
- शिशुनाग राजवंश (412-345 ईसा पूर्व): शिशुनाग द्वारा स्थापित, जिन्होंने हर्यक वंश का अंत किया; राजधानी राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित हुई; अवंती पर कब्जा करने के लिए जाना जाता है; अंतिम शासक कालाशोक ने वैशाली में द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन किया, जिसके बाद महापद्म नंद ने इस राजवंश को उखाड़ फेंका।

QUESTION

Q3. Which warrior defeated the last Nanda ruler Dhanananda with the help of Kautilya in 322 BC?

322 ईसा पूर्व कौटिल्य की सहायता से किस योद्धा ने अंतिम नंद शासक धनानंद को पराजित किया था?

[SSC MTS/Havaldar – 07/07/2022, Shift-III]

A. Kalashok / कालाशोक

B. Ashoka / अशोक

C. Akbar / अकबर

D. Chandragupta Maurya / चंद्रगुप्त मौर्य

Haryak
Shishunag
Nanda
Maurya
Shung
Kanva

SOLUTION

Correct Answer is Chandragupta Maurya

- In 322 BCE, Chandragupta Maurya defeated the last Nanda ruler Dhanananda with the assistance of his mentor and strategist Kautilya (Chanakya). / 322 ईसा पूर्व में, चंद्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु और रणनीतिकार कौटिल्य (चाणक्य) की सहायता से अंतिम नंद शासक धनानंद को हराया।
- Nanda Dynasty (345–321 BCE) founded by Mahapadma Nanda (EKARAT), reached its peak under Dhana Nanda, and was overthrown by Chandragupta Maurya, marking the rise of the Mauryan Empire./ महापद्म नंद (एकरात) द्वारा स्थापित नंद राजवंश (345-321 ईसा पूर्व), धनानंद के अधीन अपने चरम पर पहुँच गया, और चंद्रगुप्त मौर्य द्वारा उखाड़ फेंका गया, जिससे मौर्य साम्राज्य का उदय हुआ।

Question

Q4. Who classified Indian society into seven classes?

भारतीय समाज को सात वर्गों में किसने विभाजित किया था?

[SSC JE Civil – 11/10/2023, Shift-II]

A. Megasthenes / मेगास्थनीज़

B. Arian / एरियन

C. Strabo / स्ट्राबो

D. Pliny / प्लिनी

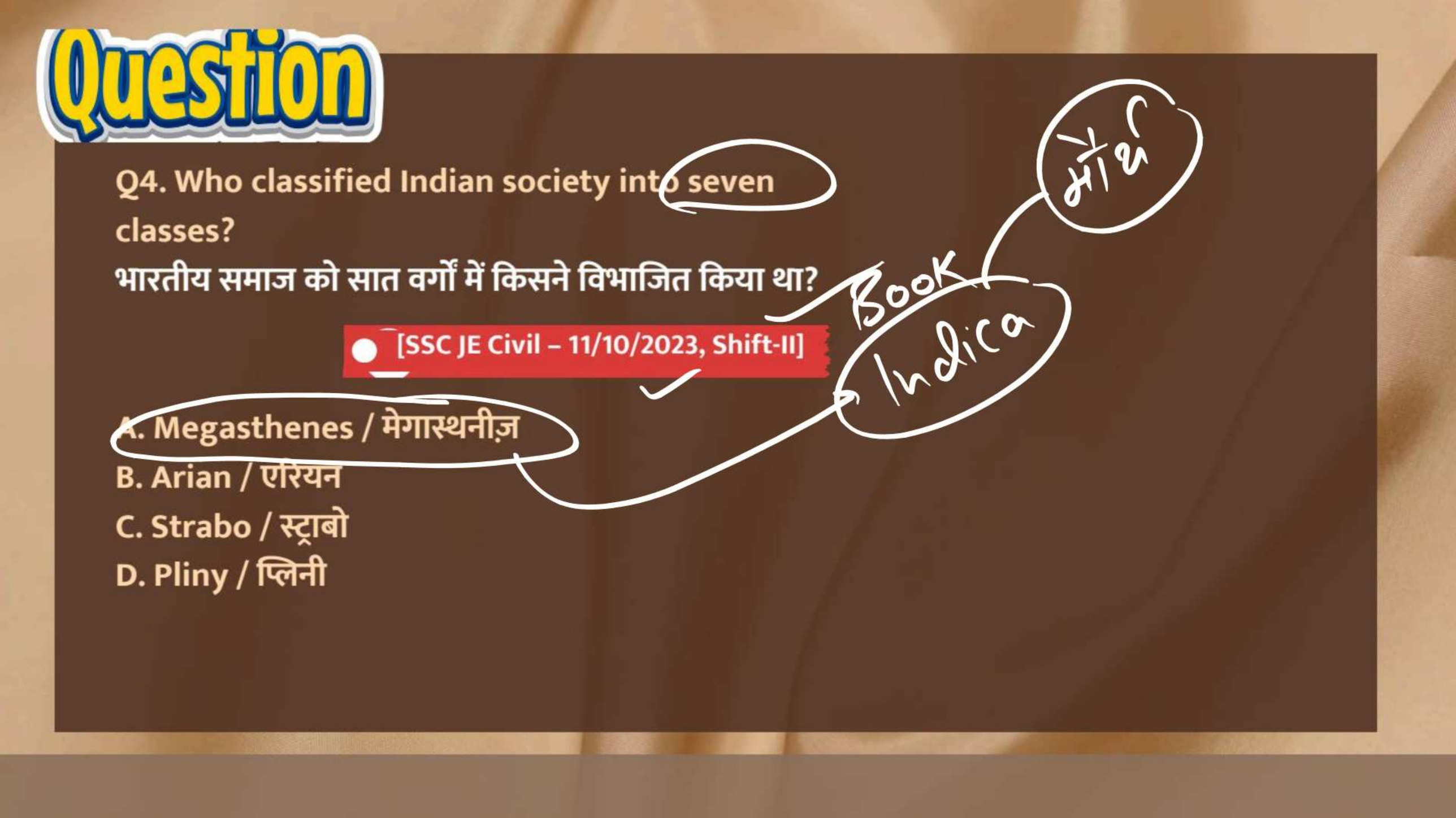

SOLUTION

Correct Answer is Megasthenes

- Megasthenes, a Greek ambassador, came to the court of Chandragupta Maurya as an envoy of Seleucus Nicator. / मेगस्थनीज़ एक यूनानी राजदूत था जो सेल्युकस निकेटर के दूत के रूप में चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था।
- In his book 'Indica', he provided a detailed description of Indian society. / अपनी पुस्तक 'इंडिका' में उसने भारतीय समाज का विस्तृत वर्णन किया है।
- According to Megasthenes, the seven classes were: philosophers, farmers, herdsmen, artisans, soldiers, overseers, and councillors. / मेगस्थनीज़ के अनुसार समाज सात वर्गों में विभाजित था – दार्शनिक, किसान, पशुपालक, कारीगर, सैनिक, निरीक्षक और परामर्शदाता।

SOLUTION

- According to him, the Mauryan empire had a highly developed spy system. / उसके अनुसार मौर्य साम्राज्य में एक अत्यंत विकसित जासूसी तंत्र था।
- Strabo's book Geographica gave detailed geographical accounts of the ancient world, including India's geography, people, and customs. / स्ट्रैबो की पुस्तक जियोग्राफिका में प्राचीन विश्व का विस्तृत भूगोल मिलता है, जिसमें भारत की भौगोलिक स्थिति, जनजीवन और परंपराओं का वर्णन शामिल है।
- Pliny's book Natural History (Naturalis Historia) describes India's trade, flora, fauna, and products; mentions Roman trade with India. / प्लिनी की पुस्तक नेचुरल हिस्ट्री में भारत के व्यापार, वनस्पति, जीव-जंतु और उत्पादों का उल्लेख है तथा रोमन-भारतीय व्यापार का भी वर्णन मिलता है।

Question

Q5. In the Seleucid-Mauryan War, Seleucus fought against which of the following Mauryan rulers?

सेल्युकस-मौर्य युद्ध में सेल्युकस ने निम्नलिखित में से किस मौर्य शासक से युद्ध किया था?

[SSC CGL (Tier I) – 20/04/2022, Shift-III]

A. Ashoka / अशोक
B. Samprati / सम्प्रति
C. Chandragupta Maurya / चंद्रगुप्त मौर्य
D. Dasharatha / दशरथ

SOLUTION

Correct Answer is Chandragupta Maurya

- **The Seleucid-Mauryan War was fought between Chandragupta Maurya and Seleucus I Nicator around 305-303 BCE. /** सेल्यूसिड-मौर्य युद्ध लगभग 305-303 ईसा पूर्व चंद्रगुप्त मौर्य और सेल्यूकस प्रथम निकेटर के बीच लड़ा गया था।
- **Seleucus I was a general of Alexander the Great and founded the Seleucid Empire. /** सेल्यूकस प्रथम, सिकंदर महान का एक सेनापति था और उसने सेल्यूसिड साम्राज्य की स्थापना की थी।

- The war concluded with a treaty, in which Seleucus gave his daughter Helena in marriage to Chandragupta and ceded territories (such as Kandahar, Kabul). / युद्ध एक संधि के साथ समाप्त हुआ, जिसके तहत सेल्यूकस ने अपनी पुत्री हेलेना का विवाह चंद्रगुप्त से कर दिया और कंधार, काबुल जैसे क्षेत्र सौंप दिए।
- In return, Seleucus received 500 war elephants, which aided him in other battles. / बदले में, सेल्यूकस को 500 युद्ध हाथी मिले, जिनसे उसे अन्य युद्धों में सहायता मिली।

Question

Q6. Which of the following was the chief collector of revenue in the Mauryan administration?

मौर्य प्रशासन में राजस्व का मुख्य संग्रहकर्ता निम्नलिखित में से कौन था?

[SSC STENO 2025 / IB ACIO 2025]

A. Amatya / अमात्य

B. Samaharta / समाहर्ता

C. Sannidhata / सन्निधाता

D. Dhamma Mahamatta / धम्म महामत्ता

SOLUTION

Correct Answer is Samaharta

- In the Mauryan administration, Samaharta was the chief collector of revenue. / मौर्य प्रशासन में 'समाहर्ता' मुख्य राजस्व संग्रहकर्ता था।
- This position is described in Kautilya's Arthashastra. / इस पद का वर्णन कौटिल्य के अर्थशास्त्र में मिलता है।
- Besides Samaharta, Sannidhata was the treasurer of the state. / समाहर्ता के अलावा 'सन्निधाता' राज्य का कोषाध्यक्ष था।
- Sita and Bhaga were the prominent land revenue systems. / सीता और भागा प्रमुख भू-राजस्व प्रणालियाँ थीं।
- Amatya was a general term for ministers. / 'अमात्य' मंत्रियों के लिए प्रयुक्त सामान्य शब्द था।

Question

Q7. Which Mauryan ruler is credited with the establishment of the spy system and maintenance of a standing army in his empire?
किस मौर्य शासक को गुप्तचर प्रणाली स्थापित करने और स्थायी सेना बनाए रखने का श्रेय दिया जाता है?

[SSC STENO 2025 / IB ACIO 2025]

A. Bindusara / बिंदुसार
B. Brihadratha / बृहद्रथ
C. Ashoka / अशोक
D. Chandragupta Maurya / चंद्रगुप्त मौर्य

SOLUTION

Correct Answer is Chandragupta Maurya

- **Chandragupta Maurya is credited with establishing the spy system and maintaining a standing army in the Mauryan Empire. / चंद्रगुप्त मौर्य को मौर्य साम्राज्य में गुप्तचर व्यवस्था स्थापित करने और एक स्थायी सेना बनाए रखने का श्रेय दिया जाता है।**
- **Chanakya's 'Arthashastra', which included spies (Gudha Purushas) to ensure internal and external security of the empire / चाणक्य के 'अर्थशास्त्र' में साम्राज्य की आंतरिक और बाह्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गुप्तचरों (गुढपुरुष) को शामिल किया गया था।**

Question

Q8. Which Mauryan ruler was called Amitrochates by the Greeks?

किस मौर्य शासक को यूनानियों द्वारा 'एमिट्रोकेट्स' कहा गया था?

[SSC MTS 2022]

A. Samudragupta / समुद्रगुप्त

B. Kanishka / कनिष्क

C. Bindusara / बिंदुसार

D. Chandragupta I / चंद्रगुप्त प्रथम

Correct Answer is Bindusara

- The Mauryan emperor Bindusara(Follower of Ajivika sect) was referred to as 'Amitrochates' by Greek writers. This name is a Greek transliteration of the Sanskrit term 'Amitraghata' (Slayer of enemies). / मौर्य सम्राट बिंदुसार को यूनानी लेखकों ने 'अमित्रोचेट्स' नाम दिया है। यह(आजीविक संप्रदाय के अनुयायी) नाम संस्कृत शब्द 'अमित्रघात' (शत्रुओं का संहारक) का यूनानी रूपान्तरण है।

- Bindusara was the son of Chandragupta Maurya and the father of Ashoka, ruling approximately from 298-273 BCE. / बिन्दुसार चन्द्रगुप्त मौर्य के पुत्र और अशोक के पिता थे, जिन्होंने लगभग 298-273 ईसा पूर्व तक शासन किया था।

Alexandria in the Caucasus
Alexandria in Arachosia
Taxila
Sagala
INDO-GREEK KINGDOM
Alexandria on the Indus
Mathura
Saketa
Pataliputra
Madhyamika
Demetrias in Patalene
Sindhu river
SUNGA EMPIRE
Gorathagiri
Ujjain
Vidisa
Bharhut
Barygaza
Simylla
Pratishthana (Paithan)
SATAVAHANA EMPIRE
Amaravati
CHOLAS
PANDYAN KINGDOM
Anuradhapura
INDO-GREEK KINGDOM
Territories:
Source: "Historical Atlas of the Indian Peninsula" Oxford University Press
Conquests:
Source: Narain, "Coin types of the Indo-Greeks"
Source: Westermans, "Atlas der Welt Geschichte"

- Greek ambassadors like Deimachus and Dionysius visited his court. / डेमाकस और डायोनिसियस जैसे यूनानी राजदूत उनके दरबार में आए थे।

- Bindusara requested wine, dried figs, and a philosopher from the Seleucid ruler Antiochus I of Syria, showcasing the diplomatic relations of that era./ बिंदुसार ने सीरिया के सेल्यूसिड शासक एंटिओकस प्रथम से मदिरा, सूखे अंजीर और एक दार्शनिक की माँग की, जो उस युग के राजनयिक संबंधों को दर्शाता है।

Question

Baudh
↓
Dhamma

Q9. Which Mauryan ruler is most closely associated with the policy of Dhamma after the war of Kalinga?
कलिंग युद्ध के बाद कौन-से मौर्य शासक धम्म नीति से सर्वाधिक घनिष्ठता से संबंधित थे?

[IB ACIO 2025]

A. Bindusara / बिंदुसार

B. Ajatashatru / अजातशत्रु

C. Ashoka / अशोक

D. Chandragupta Maurya / चंद्रगुप्त मौर्य

SOLUTION

Kaling → 13th Rock Edict

Correct Answer is Ashoka

- After the Kalinga War (261 BCE), Emperor Ashoka renounced violence and adopted the policy of Dhamma.
- कलिंग युद्ध (261 ईसा पूर्व) के बाद, सम्राट अशोक ने हिंसा का त्याग कर दिया और धम्म की नीति अपनाई।

- Ashoka propagated the tenets of Dhamma among the masses through his Rock Edicts and Pillar Edicts.
- अशोक ने अपने शिलालेखों और स्तंभ शिलालेखों के माध्यम से जनता के बीच धम्म के सिद्धांतों का प्रचार किया।

Question

Q10. Ashoka's famous stone pillars were mainly carved from which rock?

अशोक के प्रसिद्ध पत्थर के स्तंभ मुख्य रूप से किस प्रकार की चट्टान से तराशे गए थे?

[SSC PHASE XIII – 29/08/2025, Shift-I]

A. Marble / संगमरमर

B. Granite / ग्रेनाइट

C. Sandstone / बलुआ पत्थर

D. Basalt / बेसाल्ट

SOLUTION

Correct Answer is Sandstone

- Emperor Ashoka's famous stone pillars were primarily carved from sandstone. / सम्राट अशोक के प्रसिद्ध स्तंभ मुख्यतः बलुआ पत्थर से निर्मित थे।
- These pillars were constructed during the Mauryan period (approximately 268–232 BCE). / ये स्तंभ मौर्य काल (लगभग 268–232 ईसा पूर्व) के दौरान बनवाए गए थे।
- The lion capital (such as the Sarnath pillar) engraved on these pillars and Ashoka's Dhamma messages inscribed in Brahmi script represent the pinnacle of Mauryan art. / इन स्तंभों पर अंकित सिंह शीर्ष (जैसे सारनाथ स्तंभ) और ब्राह्मी लिपि में लिखे अशोक के धम्म संदेश मौर्य कला की श्रेष्ठता को दर्शाते हैं।

Brahmi
Kharosthi
Aramyak
Yunani / Greek

SOLUTION

- Ashoka erected approximately 30 to 40 pillars, of which 10 survive today. / अशोक ने लगभग 30 से 40 स्तंभों का निर्माण करवाया था, जिनमें से लगभग 10 आज भी सुरक्षित हैं।
- The Lauriya Nandangarh and Sarnath pillars are the most famous. / लौरिया नंदनगढ़ और सारनाथ के स्तंभ सबसे प्रसिद्ध हैं।
- Ashoka's inscriptions are found in Brahmi, Kharosthi, Aramaic, and Greek scripts. / अशोक के अभिलेख ब्राह्मी, खरोष्ठी, अरामी और यूनानी लिपियों में मिलते हैं।

QUESTION

Q11. How many years after his coronation did Emperor Ashoka conquer Kalinga?

अपने राज्याभिषेक के कितने वर्षों बाद सम्राट अशोक ने कलिंग को विजित किया था?

A. 8 years / 8 वर्ष

B. 11 years / 11 वर्ष

C. 5 years / 5 वर्ष

D. 15 years / 15 वर्ष

[SSC CGL (Tier-I) – 24/07/2023, Shift-I]

269 BCE

Kalinga War → 261 BCE

Correct Answer is 8 years

- Emperor Ashoka was the third and most famous ruler of the Mauryan Dynasty and was coronated around 269 BCE. / सम्राट अशोक मौर्य वंश के तीसरे और सबसे प्रसिद्ध शासक थे और उनका अभिषेक लगभग 269 ईसा पूर्व हुआ था।
- He fought the Kalinga War and conquered Kalinga approximately 8 years after his coronation, around 261 BCE. / उन्होंने कलिंग युद्ध लड़ा और अपने अभिषेक के लगभग 8 वर्ष बाद, लगभग 261 ईसा पूर्व में कलिंग पर विजय प्राप्त की।
- The massive bloodshed and destruction deeply affected Ashoka, leading him to renounce war and embrace Buddhism. / भीषण रक्तपात और विनाश ने अशोक को गहराई से प्रभावित किया, जिसके कारण उन्होंने युद्ध का त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया।

- Ashoka inscriptions, known as the Edicts of Ashoka, have been found across the Indian subcontinent and are written in the Brahmi script. / अशोक के शिलालेख, जिन्हें अशोक के अभिलेख कहा जाता है, पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में पाए गए हैं और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए हैं।
- Kalinga War mention in Rock Edict 13. / कलिंग युद्ध का उल्लेख शिलालेख संख्या 13 में मिलता है।

- These edicts describe th ocial welfare, and administrative reforms. / ये अभिलेख धम्म के सिद्धांतों, सामाजिक कल्याण और प्रशासनिक सुधारों का वर्णन करते हैं।

Question

Q12. A type of court called 'Kantakasodhana' was prevalent in the ---- Empire.

'कंटकशोधन' नामक एक प्रकार का न्यायालय किस साम्राज्य में प्रचलित था?

[SSC CGL–(Tier-I) 20/08/2021, Shift-I]

A. Rashtrakuta / राष्ट्रकूट

B. Kushana / कुषाण

C. Mauryan / मौर्य

D. Chola / चोल

SOLUTION

Correct Answer is Mauryan

- The Mauryan Empire (322–185 BCE) had a highly developed judicial system. / मौर्य साम्राज्य (322–185 ईसा पूर्व) में एक अत्यधिक विकसित न्यायिक प्रणाली थी।
- The Arthashastra mentions 'Dharmasthiya' (civil) and 'Kantakasodhana' (criminal) courts. / अर्थशास्त्र में 'धर्मस्थानिय' (दीवानी) और 'कंटकशोधन' (फौजदारी) न्यायालयों का उल्लेख मिलता है।
- Kautilya's Arthashastra provides a detailed description of this court system. / कौटिल्य के अर्थशास्त्र में इस न्याय व्यवस्था का विस्तृत वर्णन मिलता है।

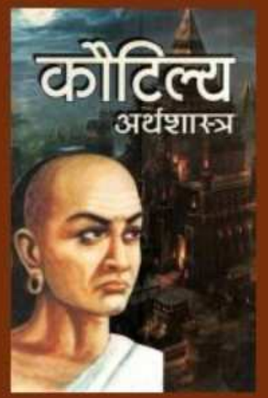

- It was specifically established for state offenses and its primary function was the elimination of 'thorns' – meaning criminals, corrupt officials, and rebels. / यह विशेष रूप से राज्य अपराधों के लिए बनाया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य 'कंटकों' अर्थात अपराधियों, भ्रष्ट अधिकारियों और विद्रोहियों का दमन था।
- In Ashoka's reign, officers called 'Dharma Mahamatras' monitored moral conduct. / अशोक के शासन में 'धर्म महामात्र' नामक अधिकारी नैतिक आचरण की निगरानी करते थे।

QUESTION

Q13. Ashokan Minor Rock Edicts are found in different parts of India. Which of the following is NOT a find spot of Ashokan Minor Rock Edicts in Karnataka?
अशोक के लघु शिलालेख भारत के विभिन्न भागों में पाए जाते हैं। निम्नलिखित में से कौन-सा कर्नाटक में अशोक के लघु शिलालेख का स्थल नहीं है?

[SSC CGL – 21/04/2022, Shift-I]

A. Brahmagiri / ब्रह्मगिरी
B. Gavimath / गविमठ
C. Rupnath / रूपनाथ
D. Maski / मस्की

Correct Answer is Rupnath

- In Karnataka state, important sites of Ashoka's Minor Rock Edicts include Brahmagiri (Chitradurga district), Gavimath (Koppal district), and Maski (Raichur district). / कर्नाटक राज्य में, अशोक के लघु शिलालेखों के महत्वपूर्ण स्थलों में ब्रह्मगिरि (चित्रदुर्ग जिला), गविमठ (कोप्पल जिला) और मास्की (रायचूर जिला) शामिल हैं।
- Rupnath is situated in Jabalpur district of Madhya Pradesh. / रूपनाथ मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित है।
- The Maski edict is particularly significant as it contains the first instance of Ashoka's name 'Devanampriya Ashoka'. / मास्की शिलालेख विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें अशोक के नाम 'देवानामप्रिय अशोक' का पहला उल्लेख मिलता है।

QUESTION

Q14. James Prinsep, an archaeologist, philologist, and official of the East India Company, deciphered Ashokan edicts (in Brahmi script) in the year:

ईस्ट इंडिया कंपनी के पुरातत्ववेत्ता और भाषाविद जेम्स प्रिंसेप ने अशोक के ब्राह्मी लिपि में लिखे शिलालेखों को किस वर्ष में पढ़ा था?

A. 1857

B. 1876

C. 1837

D. 1890

[RRB NTPC CBT2]

Correct Answer is 1837

- James Prinsep, a British archaeologist and philologist, successfully deciphered the Brahmi script inscriptions of Emperor Ashoka in the year 1837 CE. / ब्रिटिश पुरातत्वविद् और भाषाशास्त्री जेम्स प्रिंसेप ने 1837 ई. में सम्राट अशोक के ब्राह्मी लिपि के शिलालेखों का सफलतापूर्वक अर्थ निकाला।
- Prinsep primarily studied inscriptions obtained from Sanchi and other sites. / प्रिंसेप ने मुख्यतः साँची और अन्य स्थलों से प्राप्त शिलालेखों का अध्ययन किया।

- The decipherment of the Brahmi script revealed the principles of Ashoka's Dhamma, his administration, and the history of the Mauryan period. / ब्राह्मी लिपि के अर्थ निकालने से अशोक के धम्म के सिद्धांतों, उनके प्रशासन और मौर्य काल के इतिहास का पता चला।
- James Prinsep was also the secretary of the Asiatic Society of Bengal./ जेम्स प्रिंसेप बंगाल एशियाटिक सोसाइटी के सचिव भी थे।
- Alexander Cunningham (Father of Indian Archaeology) confirmed that Mauryan inscriptions were written in Brahmi and Kharosthi scripts, first deciphered by James Prinsep, and mapped their distribution across India./ अलेक्जेंडर कनिंघम (भारतीय पुरातत्व के जनक) ने पुष्टि की कि मौर्य शिलालेख ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों में लिखे गए थे, जिन्हें सबसे पहले जेम्स प्रिंसेप ने ही पढ़ा था, और उन्होंने पूरे भारत में उनके वितरण का मानचित्रण किया।

Question

Q15. Ashoka sent a mission to spread the principle of Dhamma led by his son Mahendra and daughter Sanghamitra to –

अशोक ने अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा के नेतृत्व में धम्म के सिद्धांतों का प्रचार करने हेतु मिशन कहाँ भेजा था?

[SSC CGL 2023]

A. Kalinga / कलिंग

B. Ceylon (Sri Lanka) / सीलोन (श्रीलंका)

C. Cambodia / कंबोडिया

D. Thailand / थाईलैंड

SOLUTION

Correct Answer is Ceylon (Sri Lanka)

- Emperor Ashoka of the Mauryan dynasty sent a mission to Ceylon (modern Sri Lanka) led by his son Mahendra and daughter Sanghamitra to spread the principles of Dhamma.
- मौर्य वंश के सम्राट अशोक ने धम्म के सिद्धांतों का प्रसार करने के लिए अपने पुत्र महेंद्र और पुत्री संघमित्रा के नेतृत्व में सीलोन (आधुनिक श्रीलंका) में एक मिशन भेजा था।

- After the Kalinga War, Ashoka renounced violence and embraced Buddhism, making the propagation of Dhamma his primary objective.
- कलिंग युद्ध के बाद, अशोक ने हिंसा का त्याग कर बौद्ध धर्म अपना लिया और धम्म के प्रचार को अपना प्राथमिक उद्देश्य बना लिया।

SOLUTION

- The then ruler of Sri Lanka, Devanampiya Tissa, adopted Buddhism as the state religion. Sanghamitra carried a branch of the Bodhi Tree, which was planted at Anuradhapura. / श्रीलंका के तत्कालीन शासक देवानाम्पिया तिस्सा ने बौद्ध धर्म को राजकीय धर्म के रूप में अपनाया। संघमित्रा बोधि वृक्ष की एक शाखा लेकर गईं, जिसे अनुराधापुर में लगाया गया था।
- ASHOKA sent missions to Sri Lanka, Myanmar, Thailand, and other Southeast Asian countries. / अशोक ने श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड और अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में अपने दूत भेजे।
- The Buddhist Tipitaka scriptures were first compiled in written form in Sri Lanka. / बौद्ध त्रिपिटक ग्रंथों का लिखित संकलन सर्वप्रथम श्रीलंका में ही हुआ था।

Question

Q16. Under Mauryan administration, the 'Sitadhyaksha' was the officer in charge of –

मौर्य प्रशासन में 'सीताध्यक्ष' अधिकारी किस विभाग का प्रभारी था?

[SSC CPO-SI – 12/12/2019, Shift-II]

A. Agriculture / कृषि

B. Customs / सीमा शुल्क

C. Market / बाजार

D. Mines / खदानें

SOLUTION

Correct Answer is Agriculture

- In the Mauryan administration, the 'Sitadhyaksha' was the officer in charge of the Agriculture Department.
- मौर्य प्रशासन में, 'सीताध्यक्ष' कृषि विभाग का प्रभारी अधिकारी होता था।
- The Mauryan administration was highly organized and centralized.
- मौर्य प्रशासन अत्यधिक संगठित और केंद्रीकृत था।
- The administration had separate officers for different departments - Samaharta (Revenue Collection), Nagaraka (City Administration), Pautavadhyaksha (Weights and Measures), Sunadhyaksha (Slaughterhouse).
- प्रशासन में विभिन्न विभागों के लिए अलग-अलग अधिकारी होते थे - समाहर्ता (राजस्व संग्रह), नगरक (नगर प्रशासन), पौतवाध्यक्ष (तौल और माप), और "सुनाध्यक्ष" (वधशाला)।

Question

Q17. Match the army officers of the Mauryan empire in Column A with the respective salaries in Column B.

[SSC MTS 2024]

मौर्य साम्राज्य के सेना अधिकारियों को उनके संबंधित वेतन से मिलाएँ।

Column A (Army Officer) / स्तंभ A (सेना अधिकारी)	Column B (Salaries) / स्तंभ B (वेतन)
a. Senapati	a. 12,000 Pana per annum
b. Adhyakshas	b. 8,000 Pana per annum
c. Mukhyas	c. 4,000 Pana per annum
d. Nayka	d. 4,8000 Pana per annum

A. a-iii, b-i, c-iv, d-ii / a-iii, b-i, c-iv, d-ii

B. a-iii, b-iv, c-i, d-ii / a-iii, b-iv, c-i, d-ii

C. a-iv, b-iii, c-ii, d-i / a-iv, b-iii, c-ii, d-i

D. a-i, b-ii, c-iii, d-iv / a-i, b-ii, c-iii, d-iv

SOLUTION

correct Answer is [a-iv, b-iii, c-ii, d-i]

In the Mauryan Empire (322-185 BCE), military officers were paid salaries according to their ranks. / मौर्य साम्राज्य (322–185 ईसा पूर्व) में सैनिक अधिकारियों को उनके पद के अनुसार वेतन दिया जाता था।

1. Senapati (Highest rank) 48,000 Pana (Top salary, as per Arthashastra). / सेनापति (उच्चतम पद) 48,000 पणा (अर्थशास्त्र के अनुसार सर्वोच्च वेतन)।

2. Adhyakshas (Cavalry/Chariot leaders) 4,000 Pana. / अध्यक्ष (घुड़सवार/रथ प्रमुख) 4,000 पणा।

3. Mukhyas (Infantry heads) 8,000 Pana. / मुख्या (पैदल सेना प्रमुख) 8,000 पणा।

4. Nayka (Junior officers) 12,000 Pana (Mid-level command). / नायक (कनिष्ठ अधिकारी) 12,000 पणा (मध्यम स्तर का प्रशासन)।

SOLUTION

- The Mauryan army consisted of 6 lakh infantry, 30,000 cavalry, and 9,000 war elephants. / मौर्य सेना में 6 लाख पैदल सैनिक, 30,000 घुड़सवार और 9,000 युद्ध हाथी शामिल थे।
- The army had six main divisions - Padati (Infantry), Ashva (Cavalry), Rath (Chariots), Hasti (War Elephants), Nau (Navy), and Support troops. / सेना छह भागों में विभाजित थी – पादाति (पैदल सेना), अश्व (घुड़सवार सेना), रथ (रथ सेना), हस्ति (युद्ध हाथी), नौ (नौसेना) और सहायक दल।
- A 30-member war council managed military affairs. / 30 सदस्यीय युद्ध परिषद सैन्य मामलों का प्रबंधन करती थी।
- The Mauryan army also included Greek, Persian, and other foreign mercenaries, showcasing its diverse composition. / मौर्य सेना में यूनानी, फारसी और अन्य विदेशी सैनिक भी शामिल थे, जो इसकी विविध संरचना को दर्शाता है।

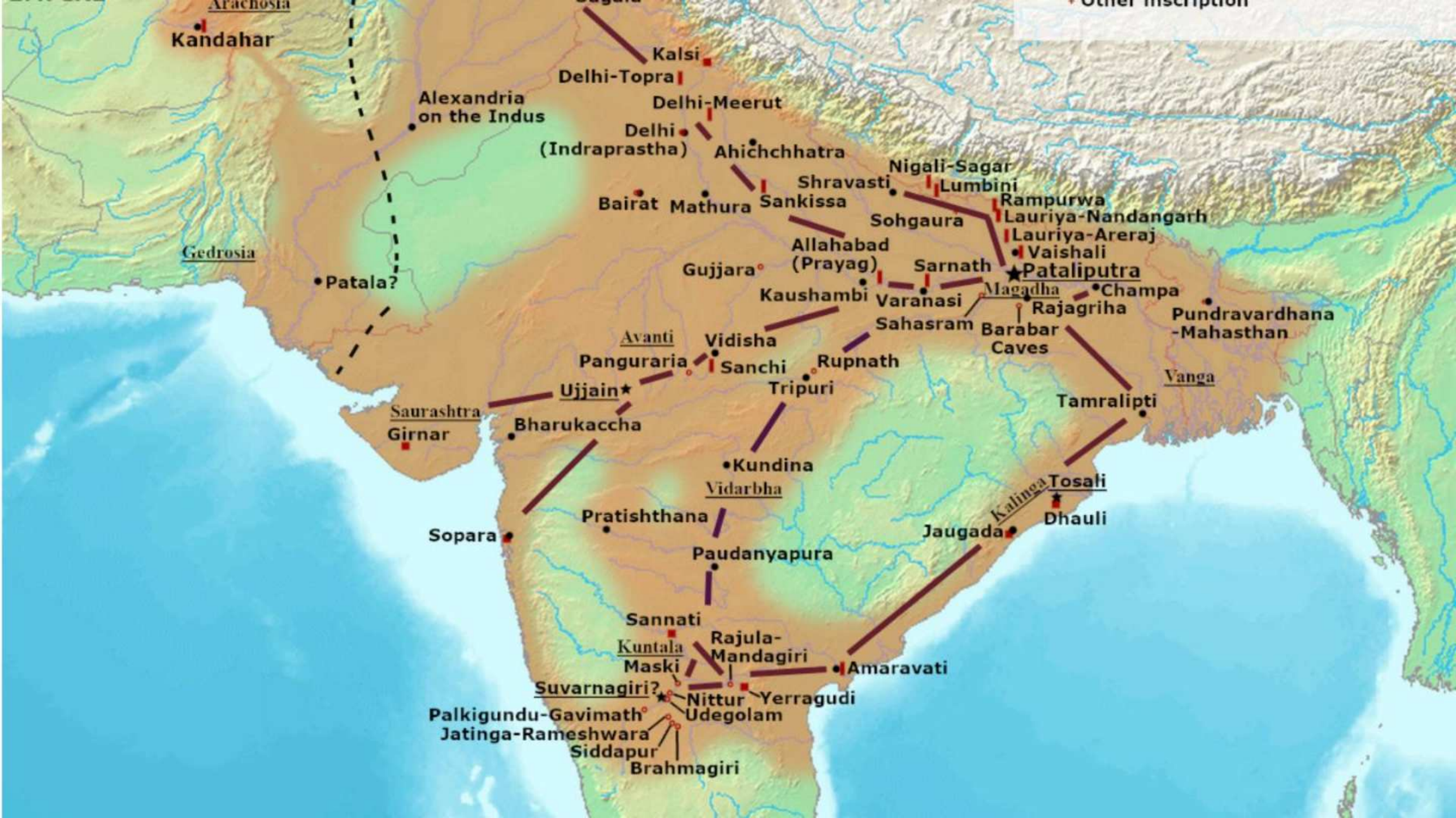

Kandahar
Kalsi
Delhi-Topra
Alexandria on the Indus
Delhi-Meerut
Delhi (Indraprastha)
Ahichchhatra
Nigali-Sagar
Shravasti
Lumbini
Bairat
Mathura
Sankissa
Rampurwa
Lauriya-Nandangarh
Sohgaura
Lauriya-Areraj
Gedrosia
Allahabad (Prayag)
Vaishali
Gujjara
Sarnath
Pataliputra
Patala?
Kaushambi
Varanasi
Magadha
Champa
Rajagriha
Pundravardhana -Mahasthan
Sahasram
Barabar Caves
Avanti
Vidisha
Pangurarria
Sanchi
Rupnath
Tripuri
Ujjain
Vanga
Saurashtra
Tamralipti
Bharukaccha
Girnar
Kundina
Vidarbha
Kalinga
Tosali
Dhauli
Pratishthana
Sopara
Jaugada
Paudanyapura
Sannati
Kuntala
Rajula-Mandagiri
Maski
Amaravati
Suvarnagiri?
Nittur
Yerragudi
Udegolam
Palkigundu-Gavimath
Jatinga-Rameshwara
Siddapur
Brahmagiri

Question

Q18 . Which of the following Ashokan rock edicts declares the prohibition of animal sacrifice?

निम्नलिखित में से कौन-सा अशोक का शिलालेख पशु-बलि पर प्रतिबंध की घोषणा करता है?

[SSC CPO 2024]

A. Major Rock Edict – IV / प्रमुख शिलालेख – IV

B. Major Rock Edict – I / प्रमुख शिलालेख – I

C. Major Rock Edict – II / प्रमुख शिलालेख – II

D. Major Rock Edict – III / प्रमुख शिलालेख – III

SOLUTION

Correct Answer is Major Rock Edict – I

No. / क्रमांक	Main Content / विषय	Location / स्थान
Rock Edict I	Prohibits animal sacrifice and festive slaughter. पशु बलि और उत्सवों में हत्या पर रोक।	Found at all major sites.
Rock Edict II	Mentions medical arrangements for humans and animals; lists neighboring kingdoms (Cholas, Pandyas, Satyaputras, Keralaputras, Tamraparni). मनुष्यों और पशुओं के लिए चिकित्सालयों का उल्लेख।	Girnar, Kalsi, Dhauli
Rock Edict III	Urges moral conduct and respect towards elders, Brahmanas, Shramanas. नैतिक आचरण, ब्राह्मणों व श्रमणों के प्रति सम्मान।	All major sites
Rock Edict IV	Spread of Dhamma replacing ceremonies and rituals. धम्म का प्रचार, अनावश्यक अनुष्ठानों का त्याग।	All major sites
Rock Edict V	Appointment of Dhamma Mahamatras (officers of righteousness). / धम्म महामात्रों की नियुक्ति।	Girnar, Kalsi

No. / क्रमांक	Main Content / विषय	Location / स्थान
Rock Edict VI	Ashoka's concern for public welfare and justice. जनकल्याण और न्याय के प्रति अशोक की चिंता।	All sites
Rock Edict VII	Religious tolerance and mutual respect. सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता।	Girnar, Kalsi
Rock Edict VIII	Mentions Ashoka's Dhamma Yatras (moral tours) instead of pleasure hunts. धम्म यात्रा (धार्मिक भ्रमण) का उल्लेख।	Girnar
Rock Edict IX	Criticizes meaningless rituals, promotes true moral conduct. निरर्थक अनुष्ठानों की आलोचना, सच्चे आचरण का महत्व।	All sites
Rock Edict X	Denounces glory by conquest, values Dhamma fame. विजय की नहीं, धम्म की कीर्ति की महिमा।	All sites

No. / क्रमांक	Main Content / विषय	Location / स्थान
Rock Edict XI	Explains true meaning of Dhamma — kindness, charity, and self-control. धम्म का सार — दया, दान और संयम।	Girnar
Rock Edict XII	Appeals for religious harmony among all sects. सभी धर्मों में सद्भाव का आह्वान।	Girnar, Kalsi
Rock Edict XIII	Describes the Kalinga War and Ashoka's remorse; adoption of non-violence (Ahimsa). कलिंग युद्ध और पश्चाताप का वर्णन; अहिंसा का सिद्धांत।	Kalsi, Girnar, Dhauli, Jaugada
Rock Edict XIV	Summary of all edicts. सभी शिलालेखों का सारांश।	Girnar

Minor Rock Edicts / लघु शिलालेख

- Found at Maski, Gujarra, Brahmagiri, Sohgaura, Ahraura, etc. / मास्की, गुजर्रा, ब्रह्मगिरी, सोहगौरा, अहरौरा आदि स्थानों पर मिले हैं।
- Name "Ashoka" appears for the first time at Maski and Gujarra./ "अशोक" नाम का प्रथम उल्लेख मास्की और गुजर्रा शिलालेखों में मिलता है।
- Emphasize personal faith in Buddhism and moral conduct./ बौद्ध धर्म में व्यक्तिगत आस्था और नैतिक जीवन पर बल।

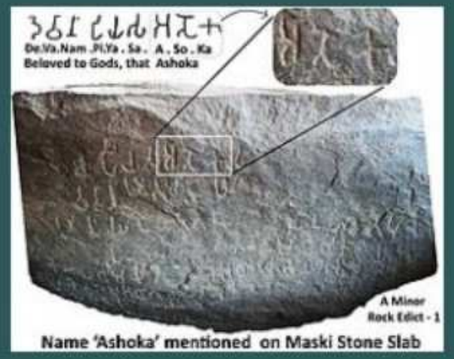

Name 'Ashoka' mentioned on Maski Stone Slab

Pillar Edicts / स्तंभलेख

No. / क्रमांक	Main Content / विषय	Location / स्थान
Pillar Edict I	Bans animal sacrifice and festive killings. पशु बलि पर प्रतिबंध।	Delhi-Topra, Sanchi
Pillar Edict II	Emphasizes obedience to parents, generosity to Brahmanas and Shramanas. माता-पिता की सेवा, ब्राह्मणों व श्रमणों के प्रति उदारता।	Delhi-Topra
Pillar Edict III	Instructions to Dhamma Mahamatras and officials. धम्म महामात्रों को निर्देश।	Sarnath
Pillar Edict IV	Promotes justice and impartial administration. निष्पक्ष न्याय और प्रशासन।	Sarnath
Pillar Edict V	Talks about welfare of prisoners. कैदियों के कल्याण का उल्लेख।	Sarnath

Pillar Edicts / स्तंभलेख

No. / क्रमांक	Main Content / विषय	Location / स्थान
Pillar Edict VI	**Ashoka's ideals of Dhamma** and wish to record them for future generations. **धम्म के आदर्शों को भावी पीढ़ियों के लिए अंकित करने की इच्छा।**	Delhi-Topra
Pillar Edict VII	**Summary and repetition** of Dhamma principles. **धम्म सिद्धांतों का सारांश।**	Delhi-Topra

Question

Q19. Which of the following pairs of 'Dynasty — Ruled region' is correctly matched?

'वंश — शासित क्षेत्र' में से कौन-सा युग्म सही रूप से मिला हुआ है?

1. Shakas- North West and north India/ 1.शक-उत्तर पश्चिम और उत्तर भारत
2. Vakatakas-Central and Western India/ 2.वाकाटक- मध्य और पश्चिमी भारत

[SSC CGL 2022]

A. Neither I nor II / न तो I और न ही II
B. Only I / केवल I
C. Only II / केवल II
D. Both I and II / I और II दोनों

SOLUTION

Correct Answer is option D

Shakas — North-West and North India

शक — उत्तर-पश्चिम और उत्तर भारत

• The Shakas (Indo-Scythians) invaded India from Central Asia around the 2nd century BCE.

शक (इंडो-स्किथियन) लगभग ई.पू. 2 वी शताब्दी में मध्य एशिया से भारत आए।

• They established their rule in North-West and Western India — mainly Gandhara, Punjab, Malwa, and Gujarat.

****इनका शासन उत्तर-पश्चिम और पश्चिम भारत में फैला — मुख्यतः गंधार, पंजाब, मालवा और गुजरात में।**

SOLUTION

• Important rulers: Maues (Moga), Nahapana, and Rudradaman I (famous for Junagadh inscription).
प्रमुख शासक: मोगा (माउस), नहपान, और रुद्रदामन प्रथम (जूनागढ़ शिलालेख के लिए प्रसिद्ध)।

II. Vakatakas — Central and Western India
वाकाटक — मध्य और पश्चिम भारत

• The Vakataka dynasty succeeded the Satavahanas in the Deccan region (3rd–5th century CE).
वाकाटक वंश ने सातवाहन वंश के बाद दक्षिण भारत के दक्कन क्षेत्र में शासन किया (3वी–5वी शताब्दी ई.)।

SOLUTION

• Their kingdom covered Vidarbha (Maharashtra), Berar, and parts of Madhya Pradesh.
इनका राज्य विदर्भ (महाराष्ट्र), बरार और मध्य प्रदेश के कुछ भागों तक फैला था।

• Capital: Nandivardhana and later Pravarapura.
राजधानी: नंदिवर्धन और बाद में प्रवरपुर।

• Important ruler: Pravarasena I, a powerful king and patron of Brahmanism and art (linked with Guptas through marriage).
प्रमुख शासक: प्रवरसेन प्रथम, जो एक शक्तिशाली शासक और ब्राह्मण धर्म व कला के संरक्षक थे; गुप्त वंश से वैवाहिक संबंध भी थे।

Question

founder of Shung Dynasty

Q20. Pushyamitra Sunga's capital was at –
पुष्यमित्र शुंग की राजधानी कहाँ थी?

[SSC MTS 2024]

A. Pataliputra / पाटलिपुत्र
B. Kalinga / कलिंग
C. Nalanda / नालंदा
D. Cuttack / कटक

Brahin

SOLUTION

Correct Answer is Pataliputra

- **Pushyamitra Shunga founded the Shunga Dynasty in 185 BCE after assassinating the last Mauryan emperor Brihadratha. /** पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य सम्राट बृहद्रथ की हत्या के बाद 185 ईसा पूर्व में शुंग वंश की स्थापना की।
- **He established his capital at Pataliputra (modern Patna, Bihar), which was previously the capital of the Mauryan Empire. /** उन्होंने पाटलिपुत्र (आधुनिक पटना, बिहार) में अपनी राजधानी स्थापित की, जो पहले मौर्य साम्राज्य की राजधानी थी।
- **Pushyamitra Shunga was a Brahmin commander who took power after the decline of the Mauryan Empire. /** पुष्यमित्र शुंग एक ब्राह्मण सेनापति थे जिन्होंने मौर्य साम्राज्य के पतन के बाद सत्ता संभाली।

SOLUTION

- His reign is known for performing the Ashvamedha Yajna and his opposition to Buddhism. / उनका शासनकाल अश्वमेध यज्ञ और बौद्ध धर्म के विरोध के लिए जाना जाता है।
- After Pushyamitra Shunga, his son Agnimitra succeeded him, who is the hero of Kalidasa's play 'Malavikagnimitram'. / पुष्यमित्र शुंग के बाद, उनके पुत्र अग्निमित्र उनके उत्तराधिकारी बने, जो कालिदास के नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' के नायक हैं।
- The Shunga period witnessed the revival of Vedic religion and development of Sanskrit literature/ शुंग काल में वैदिक धर्म का पुनरुत्थान और संस्कृत साहित्य का विकास हुआ।
- Devabhuti was the last ruler of Shunga Dynasty. / देवभूति शुंग वंश के अंतिम शासक थे।

Vasudev Kanva (founder)

Question

Q21. Who among the following was the Shaka ruler who repaired Sudarshana Lake built during the Mauryan rule?

निम्नलिखित में से कौन-सा शक शासक मौर्य काल में निर्मित कृत्रिम सरोवर 'सुदर्शन झील' की मरम्मत के लिए प्रसिद्ध है?

[SSC MTS 2022]

A. Bindusara / बिंदुसार
B. Panduka / पाण्डुक
C. Rudradaman / रुद्रदामन
D. Chashtana / चष्टन

Correct Answer is Rudradaman

- Sudarsana Lake was built by Pushyagupta (Mauryan period)./ सुदर्शन झील का निर्माण पुष्यगुप्त (मौर्य काल) ने करवाया था।
- Then it repaired by Tushaspa (Ashokan period), again by Rudradaman I (Saka ruler, 150 CE) / इसके बाद तुषास्प (अशोक काल) और फिर रुद्रदामन प्रथम (शक शासक, 150 ई.) ने इसकी मरम्मत करवाई।
- Recorded in the Junagadh Sanskrit inscription. / जूनागढ़ संस्कृत शिलालेख में इसका उल्लेख मिलता है।
- Final restoration done by Skandagupta (Gupta period)./ अंतिम जीर्णोद्धार स्कंदगुप्त (गुप्त काल) द्वारा करवाया गया।

Question

Q22. Who among the following was the founder of the Kanva dynasty?

निम्नलिखित में से कौन कण्व वंश का संस्थापक था?

[SSC CGL 2022]

A. Narayana / नारायण

B. Susharman / सुषर्मण

C. Vasudeva / वासुदेव

D. Devabhuti / देवभूति

last King

Correct Answer is Vasudeva

- **The Kanva dynasty was founded by Vasudeva around 73 BCE. / कण्व वंश की स्थापना वासुदेव ने लगभग 73 ईसा पूर्व में की थी।**
- **They originally served the Shunga line is attested by the appellation Shungabhrityas (i.e., servants of the Shungas) given to them in the Puranas. / वे मूल रूप से शुंग वंश के सेवक थे, जिसका प्रमाण पुराणों में उन्हें दी गई शुंगभृत्य (अर्थात, शुंगों के सेवक) उपाधि से मिलता है।**

- This dynasty ruled until approximately 28 BCE. / इस वंश ने लगभग 28 ईसा पूर्व तक शासन किया।
- Vasudeva came to power by assassinating the last Shunga ruler Devabhuti. / वासुदेव अंतिम शुंग शासक देवभूति की हत्या करके सत्ता में आए।
- Ultimately, the dynasty was ended by the Satavahana ruler Simuka, who defeated the last Kanva ruler Susharman. / अंततः, इस वंश का अंत सातवाहन शासक सिमुक ने किया, जिसने अंतिम कण्व शासक सुशर्मा को पराजित किया।

Question

Q23. Consider the following statements regarding the Indo-Greeks.
निम्नलिखित कथनों पर विचार करें जो इंडो-ग्रीक से संबंधित हैं।

I. The most celebrated Indo-Greek ruler was Menander./ सबसे प्रसिद्ध इंडो-ग्रीक शासक मेनांडर था।

II. Menander has been identified with King Milinda mentioned in the Buddhist text Milindapanha./ मेनांडर की पहचान बौद्ध ग्रंथ मिलिंदपन्हो में वर्णित राजा मिलिंद से की गई है।

III. Milindapanho contains philosophical questions that Milinda asked Amrapali./ मिलिंदपन्हो में मिलिंद द्वारा आम्रपाली से पूछे गए प्रश्न शामिल हैं।

IV. Impressed by the answers, King Milinda accepted Buddhism as his religion./ उत्तरों से प्रभावित होकर राजा मिलिंद ने बौद्ध धर्म अपना लिया।

[SSC CPO 2023]

A. Only I and IV / केवल I और IV
B. Only I, II and IV / केवल I, II और IV
C. Only I, III and IV / केवल I, III और IV
D. Only I, II and III / केवल I, II और III

SOLUTION

Correct Answer is Only I, II and IV

- **The Indo-Greeks were Greek rulers of Bactria who governed northwestern India in the 2nd century BCE /** इंडो-यूनानी बैक्ट्रिया के यूनानी शासक थे जिन्होंने दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में उत्तर-पश्चिमी भारत पर शासन किया था।
- **Menander was the most famous Indo-Greek ruler who embraced Buddhism and is discussed in the Buddhist text 'Milindapanha'. /** मेनांडर सबसे प्रसिद्ध इंडो-यूनानी शासक थे जिन्होंने बौद्ध धर्म अपनाया और जिनका उल्लेख बौद्ध ग्रंथ 'मिलिंदपन्ह' में मिलता है।
- **The Indo-Greeks were the first to issue gold coins in India./** इंडो-यूनानी भारत में सोने के सिक्के जारी करने वाले पहले शासक थे।

QUESTION

Q24. Read the below statements marked as Assertion (A) and Reason (R). Mark the correct option:
नीचे दिए गए कथन (A) और कारण (R) पढ़ें और सही विकल्प चुनें:
Assertion (A): Post-Mauryan Buddhist stupas show regional variations in form, such as cruciform bases and pyramidal superstructures./ कथन (A): उत्तर मौर्यकालीन बौद्ध स्तूपों में क्षेत्रीय भिन्नताएँ पाई जाती हैं जैसे क्रूसाकार आधार और पिरामिडनुमा संरचना।
Reason (R): Use of diverse local materials and building techniques led to the emergence of distinct stupa styles across regions./ कारण (R): विभिन्न क्षेत्रों में स्थानीय सामग्री और निर्माण तकनीकों के उपयोग से अलग-अलग स्तूप शैलियाँ विकसित हुईं।

A. Both A and R are true, and R is the correct explanation of A / दोनों सही हैं और R, A की सही व्याख्या है
B. Both A and R are true, but R is not the correct explanation of A / दोनों सही हैं पर R, A की व्याख्या नहीं है
C. A is true, but R is false / A सही है पर R गलत है
D. Both A and R are false / दोनों गलत हैं

SSC PHASE XIII – 29/08/2025, Shift-I

SOLUTION

Correct Answer is Both A and R are true, and R is the correct explanation of A

After the Mauryan period, as Buddhism spread to different regions of India — like Gandhara, Sanchi, Bharhut, Amaravati, and Nagarjunakonda — the form and style of stupas began to vary. / मौर्य काल के बाद जब बौद्ध धर्म भारत के विभिन्न क्षेत्रों जैसे गांधार, साँची, भरहुत, अमरावती और नागार्जुनकोंडा में फैला, तो स्तूपों के स्वरूप और शैली में विविधता आनी शुरू हुई।

Example: / उदाहरण:

- **Gandhara stupas had cruciform (cross-shaped) bases and tall pyramidal superstructures. / गांधार के स्तूपों का आधार क्रास (✚) के आकार का होता था और ऊपरी भाग पिरामिड जैसा ऊँचा होता था।**
- **Amaravati and Sanchi stupas had round bases and hemispherical domes. / अमरावती और साँची के स्तूपों का आधार गोल और गुंबद अर्धगोलाकार होता था।**

- Use of diverse local materials and building techniques led to the emergence of distinct stupa styles across regions. / विभिन्न स्थानीय निर्माण सामग्रियों और तकनीकों के प्रयोग से अलग-अलग क्षेत्रों में विशिष्ट स्तूप शैलियाँ विकसित हुईं।
- Local factors like available stone, brick, and craftsmanship traditions influenced architectural styles. / उपलब्ध पत्थर, ईंट और शिल्पकला की परंपराओं जैसे स्थानीय कारकों ने स्थापत्य शैलियों को प्रभावित किया।

  Example: / उदाहरण:
  - In Gandhara, gray schist stone was used. / गांधार में ग्रे शिस्ट पत्थर का उपयोग किया जाता था।
  - In Amaravati, white limestone was common. / अमरावती में सफेद चूना पत्थर सामान्य था।
  - In Sanchi, sandstone was preferred. / साँची में बलुआ पत्थर का प्रयोग किया जाता था।
- These materials and local traditions shaped the unique regional forms of stupas. / इन सामग्रियों और स्थानीय परंपराओं ने स्तूपों के अद्वितीय क्षेत्रीय रूपों को आकार दिया।

V. Imp.

Question

Q25. Which ruler greatly supported Gandhara art?
गंधार कला को सर्वाधिक संरक्षण किस शासक ने दिया था?

[SSC PHASE XIII – 29/07/2025, Shift-I]

A. Ashoka / अशोक
B. Kanishka / कनिष्क
C. Samudragupta / समुद्रगुप्त
D. Harsha / हर्ष

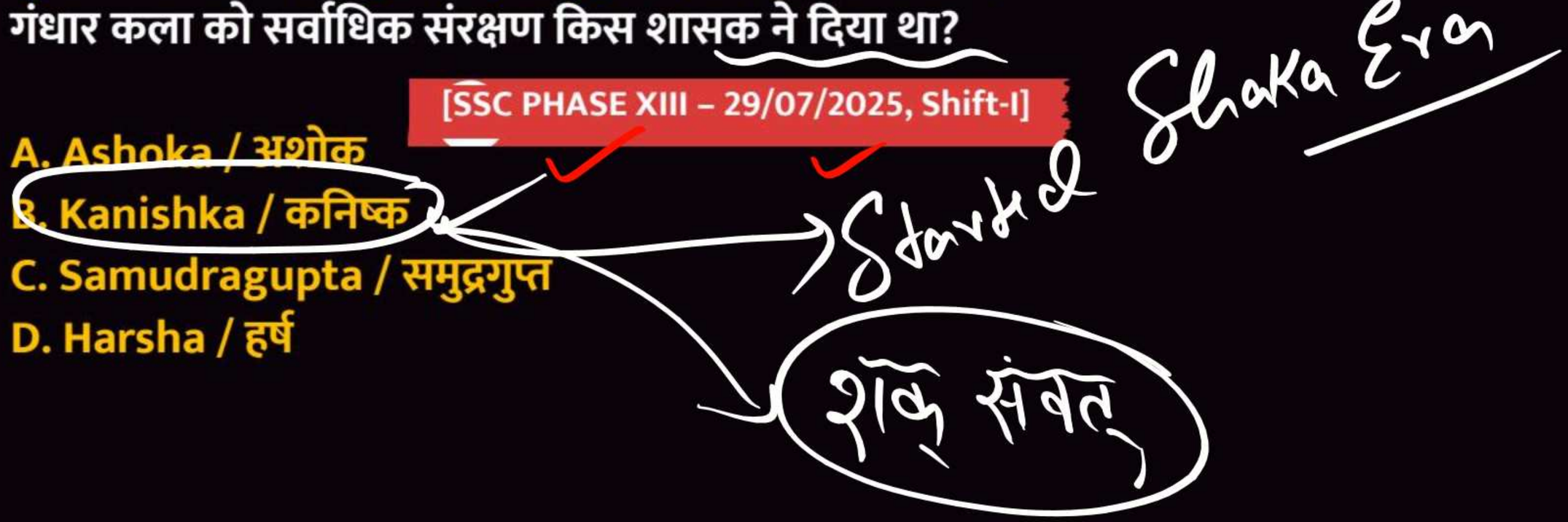

SOLUTION

Correct Answer is Kanishka

- **Gandhara art, a unique synthesis of Hellenistic and Indian artistic styles, received the greatest patronage from the Kushan emperor Kanishka. /** गांधार कला, जो हेलेनिस्टिक और भारतीय कला शैलियों का अनोखा मिश्रण थी, को कुषाण सम्राट कनिष्क का सबसे अधिक संरक्षण मिला।
- **His reign (127–150 CE) is considered the "Golden Age" of Gandhara art. /** उनका शासनकाल (127–150 ईस्वी) गांधार कला का 'स्वर्ण युग' माना जाता है।

SOLUTION

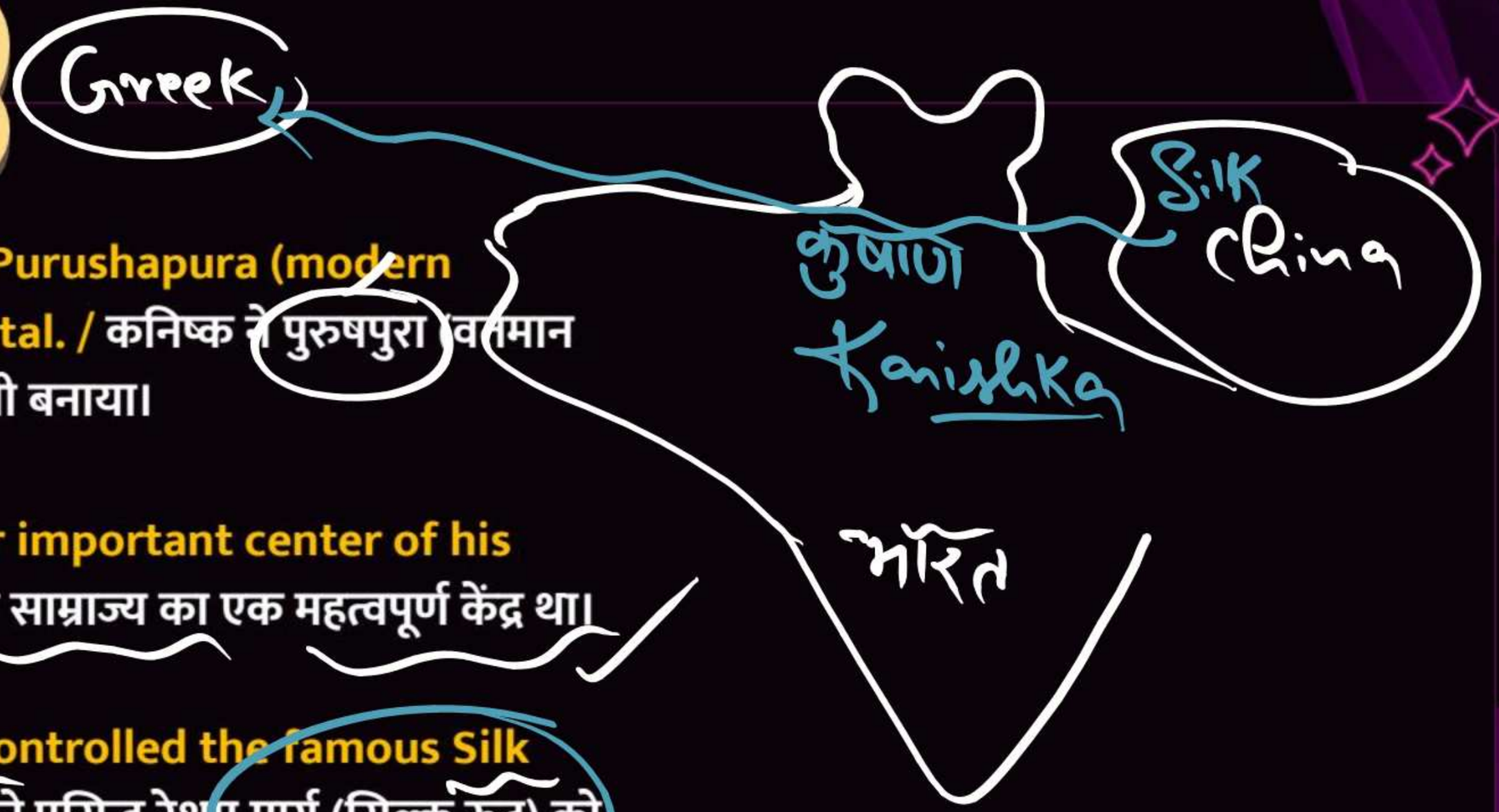

- **Kanishka developed Purushapura (modern Peshawar) as his capital. /** कनिष्क ने पुरुषपुरा (वर्तमान पेशावर) को अपनी राजधानी बनाया।

- **Mathura was another important center of his empire. /** मथुरा भी उनके साम्राज्य का एक महत्वपूर्ण केंद्र था।

- **The Kushan Empire controlled the famous Silk Route. /** कुषाण साम्राज्य ने प्रसिद्ध रेशम मार्ग (सिल्क रूट) को नियंत्रित किया।

THANK
YOU